मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHN–009

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन)

(एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.एन.-009 : राज-व्यवस्था तथा प्रशासन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. राजशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास का वर्णन कीजिए।
2. पठित अंश के आधार पर राष्ट्र के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. शुक्रनीति एवं मनुस्मृति के आलोक में राजशास्त्र की विचारधारा का वर्णन कीजिए।

4. प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचारक के रूप में वाल्मीकि के विचारों का उल्लेख कीजिए।
5. विधि के स्रोतों का वर्णन कीजिए।
6. मन्त्री के स्वरूप एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।
7. राजा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
8. राजशास्त्र के किन्हीं **तीन** अर्वाचीन विचारकों के मतों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. मंत्रि-परिषद् के स्वरूप एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।
2. षाड्गुण्य उपाय का अभिप्राय अपने शब्दों में लिखिए।
3. दण्ड के स्वरूप का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
4. अपराध की परिभाषा लिखिए तथा अपराध के निर्धारण सम्बन्धी नियमों का उल्लेख कीजिए।
5. न्यायालय के संगठन एवं नियमों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
6. राज्य एवं राष्ट्र में क्या अन्तर है ? वर्णन कीजिए।
7. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) राजा का स्वरूप एवं कार्य

   (ख) कौटिल्य

× × × × ×